समनुदेशन (Assignment) हेतु प्रश्न

एम. ए. संस्कृत, तृतीय सत्र

छन्द एवं व्यावहारिक संस्कृत (MSKTA 305) **कुल अंक 20**

निर्देश - इस पत्र में तीन समनुदेशन दिए गए हैं। प्रत्येक समनुदेशन में चार प्रश्न हैं। प्रत्येक समनुदेशन (Assignment) से दो प्रश्नलगभग 1000-1500 शब्दों में अपेक्षित हैं। हस्तलिखित समनुदेशन दूरवर्ती एवं ऑनलाईन शिक्षा केन्द्र को सम्प्रेषित करे।

समनुदेशन(Assignment)1 **अंक 07** **(3.5X2)**

प्र. 1 छन्द के अर्थ एवं परिभाषा पर प्रकाश डालिए ।

प्र. 2 छन्दशास्त्र के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

प्र. 3 छन्दशास्त्र में गण से क्या अभिप्राय है? इसकी विवेचना कीजिए ।

प्र. 4 छन्द भेद का उदाहरण सहित निरूपण कीजिए ।

समनुदेशन(Assignment)2 **अंक 07** **(3.5X2)**

प्र. 1 छन्द का संस्कृत वाग्व्यवहार में महत्त्व पर परिचय दीजिए ।

प्र. 2 लघु एवं गुरु के स्वरूप की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

प्र. 3 निम्नलिखित में से दो छन्दों का लक्षण देकर उदाहरण सहित संगति कीजिए-
अनुष्टुप, उपजाति, वंशस्थ, मालिनी, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा ।

प्र. 4 निम्नलिखित में से दो छन्दों का लक्षण देकर उदाहरण सहित संगति कीजिए-
शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, मन्दाक्रान्ता, वसन्ततिलका, स्रग्धरा, आर्या ।

समनुदेशन (Assignment)3 **अंक 06** **(3X2)**

प्र. 1 कारक किसे कहते हैं? इसके भेदों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

प्र. 2 वर्ण एवं शब्द का वाक्य विचार निरूपण कीजिए ।

प्र. 3 निम्नलिखित अनुच्छेदों में से किसी एक का संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

गंगा के किनारे बहुत से नगर है। जैसे प्रयाग, वाराणसी, कानपुर, पाटलिपुत्र आदि। ये नगर विश्व प्रसिद्ध नगर माने जाते हैं। प्रयाग नामक तीर्थ में यमुना और सरस्वती नदियाँ गंगा से मिलती हैं। वहाँ गंगा का शुभ्रजल और यमुना का नीला जल परस्पर मिलता है। नदियों के इस संगमस्थल को त्रिवेणी भी कहा जाता है। पुण्य तिथियों पर लोग प्रयाग में स्नान करके मानसिक शान्ति प्राप्त करते हैं।

या

महाकवि कालिदास संस्कृत साहित्य के सर्वश्रेष्ठ कवि है। वे संस्कृत साहित्य रूपी आकाश में सूर्य की तरह चमकते हैं। उनकी काव्य माधुरी का कोई सानी नहीं है। वे रस की प्राञ्जल प्रस्तुति करते हैं। उनकी वैदर्भी रीति की सर्वत्र भूरि-भूरि प्रंशसा की जाती है। उनकी सूक्तियाँ अमृत सनी मञ्जरियों के समान हैं। उपमा के जितने सिद्धहस्त महाकवि कालिदास हैं, उतना और कोई कवि नहीं हैं। इसलिए तो यह कहावत प्रसिद्ध है कि उपमा तो कालिदास की ही है।

प्र. 4 निम्नलिखित अनुच्छेदों में से किसी एक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए-

हिमाचलप्रदेशे शतद्रुः, विपाशा, रावी, यमुना प्रभृतयः महानद्यः प्रवहन्ति। विश्वप्रसिद्धो भाखड़ा बाँधः, कन्दरौर सेतु च हिमाचले एव विद्यते। अत्र मनाली, शिमला, डलहौजी आदि नगराणि पर्यटन दृष्ट्या अतीव महत्त्वपूर्णानि विद्यन्ते। ग्रीष्म ऋतौ लक्षशः जनाः भ्रमणाय अत्रागच्छन्ति। हिमाचले श्रीनयना देवी, चिन्तपूर्णी, ज्वाला, चामुण्डा, प्रभुतानि शक्ति पीठानि विद्यन्ते। अन्यानि अपि दियोटसिद्धादीनि भव्यमन्दिराणि देवस्थानानि च अत्र सन्ति।

च

अस्माकं सर्वेऽपि धार्मिक ग्रन्थाः संस्कृत भाषायामेव सन्ति। अतः तेषां ज्ञानार्थं जनेभ्यश्च धार्मिक शिक्षां दातुं संस्कृत भाषायाः ज्ञानं परमनिवार्यमस्ति। आध्यात्मिक ज्ञानमपि संस्कृतस्य ग्रन्थेषु एव विद्यते अतः आध्यात्मिक ज्ञानामपि संस्कृत भाषायाः ज्ञानम् अनिवार्यं विद्यते। अस्माकं सर्वे संस्काराः अपि संस्कृत भाषया एव निष्पाद्यन्ते। अतः अस्या भाषायाः ज्ञानम् अध्ययनं परमावश्यकमस्ति।

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-5

स्नातकोत्तर संस्कृत तृतीय सत्र

सत्र.....

समनुदेशन विषय .....

पाठ्यक्रम कोड .....

समनुदेशन संख्या .....

प्रस्तुतकर्त्ता

नाम .....

पञ्जीकरण संख्या .....

अनुक्रमांक.....

स्थाई पता.....

.....

.....

ई-मेल.....

मोबाइल नं. .....

दिनांक .....

हस्ताक्षर .....